

# हठयोगप्रदीपिका।

सा च

### सहजानन्द्संतानचिन्तामणिस्वात्माराम-योगीन्द्रविरचिता

ब्रह्मानन्दकृतज्योत्स्नाभिधया टीकया समलंकृता दाधीचकुलोत्पन्नेन स्वर्शसिना श्रीधरेण कृतया मनोभिलाषिण्या भाषाव्याख्ययोपेता च ।

#### मुम्बईनगरे

प्रवोधरत्नाकरसमाख्ये मुद्रणयन्तालये

मुनि ७ वसुधा १ पुराण १८ प्रमिते शासीयाहनशके १८१७ परलोकनिवासिनो जटाशंकरात्मजश्रीधरस्य धर्मपत्न्या

ताराबाई संज्ञ्या

मुद्रयित्वा प्रकाशिता।

नृतीयं संस्करणम्।

मूल्यं रूप्यकद्वयम् २

## इठयोगप्रदीपिकानुक्रमणिकाः

#### ॥ अथ मथमोपदेशः ॥

			पृष्ठ.		वृष्ठ.				
3	मंगलाचरण		*	२१ धनुरासन	20				
	गुरुनमस्कार मंगलाचरण		3	२२ मत्स्येदासन फलसहित	20				
3	इठयोगर्से राजयोगसिवि	i	3	२३ पश्चिमतानासन फलसहित	19				
8	ज्ञानकी सातम्मि अर्थस	हित	8	२४ मयूरासन गुणसहित	20				
	हठविद्याकी श्रापा	****	9	२९ प्रयोजनसहित दावांसन	18				
	महासिद्धनके नाम	****	4	२६ सिद्धासन	99				
	योगीनको आधार हठ	****	1	२७ मतांतरका सिद्धासन	23				
	हठविद्याकूं गोप्यपनो	****	4	२८ सिद्धासनकी श्लाघा	78				
9	हठाभ्यासके योग्य देश	****	90	२९ पद्मासन	39				
40	मठलक्षण	****	19	३० दूसरा पद्मासन	28				
7 .	योगाम्यासके नाशकर्त्ता	****	13	३१ सिंहासन	26				
	योगकी सिद्धीके कर्त्ता	****	13	३२ मदासन	38				
	यमनियम	****	\$8	३३ हठाभ्यासका ऋम	30				
	आसनप्रकर्ण	****	\$8	३४ योगीनका मिताहार	38				
	स्वस्तिकासन	8.612	84	३५ योगीनको अपय्य	33				
	गोमुखासन	****	38	६६ योगीनका पथ्य	18				
	वीरासन	****	16	३७ योगीनकूं भोजननियम	18				
	क्र्मासन	****	18	३८ अम्यासर्ते सिद्धि	29				
	कुकुटासन	****	10	३९ योगांग अनुष्ठानकी अवधि	38				
30	उत्तानकूर्गासन	****	101	इति मथमोपदेशः ॥ १ ॥					
॥ अथ हितीयोपदेशः ॥									
8.0	प्राणायामप्रकरण	****	30	४२ प्राणायामर्भे विशेषता	80				
8 4	प्राणायाम प्रयोजन	****	30	४९ प्राणायामका अवांतर फल	¥ a				
85	मलगुद्धीम् हठिसिद्धि	****	36	४६ प्राणायामके अभ्यासका काल					
8.4	मछशुद्धिकर्ता प्राणायाम	****	36	A. A	8.6				

5	हि.	9	ਬ-
४७ उत्तम मध्यम कनिष्ठ प्राणायाम	88	६३ विचित्रकुंभकनको मुख्य फन्न	99
४८ प्राणायामर्ते प्रस्वेदहोनेमें वि-		६४ कुंभकके भेद	98
दोषता	83	६ ९ सर्व कुंभकनकी साधारण युक्ति	98
४९ अभ्यासकालमें दुग्धादिनियम	88	६६ सूर्यभेदन गुणसहित	96
५० योग्य अयोग्यका फल	88	६७ योगाम्यासकम	96
९१ मेघके अधिकहोनेमें उपाय	88	६८ उज्जायी	13
५२ पर्कर्म	88	६९ सीत्कारी कुंमक	<b>F 3</b>
५३ धौतीकमें फलसहित	80	७० शीतली गुणसहित	€8
५४ बस्तीकर्म गुणसाहित	86	७१ भिक्रका पद्मासनसहित	89
५५ नेतीकर्भ गुणसहित	90	७२ भ्रामरीकुंभक	89
९६ त्राटककर्म गुणसहित	99	७३ मूर्छीकुंभक	90
५० नौलीकर्म गुणसहित	99	७४ प्राविनी कुंभक	90
	99	७६ प्राणायामके भेद	90
५९ षट्कर्म प्राणायामके उपकारी	99	७६ हठाभ्यासर्ते राजयोगप्राप्ति-	
	93	प्रकार	\$0
६१ गनकरणी	98	७७ हठसिद्धीके लक्षण	80
६२ प्राणायामका अभ्यास आव-			
	98	॥ इति द्वितीयोपदेशः ॥ २ ॥	
।। अय	ततीः	योपदेशः ॥	
	-		<8
	99		
	30		رو
	30	९० स्वरूपलक्षणसहित खेचरी	20
	30	~ · · · · ·	11
0	00	10 10 10	
	96	९३ गोमांस और अमरवारुणीका-	19
	10	0	0 3
			९३
, , , , ,			29
८७ महाबंध	ell	९९ मूलकंघ	99

	ge.	ys.
<b>९</b> इतांतरका मूलवंघ	९९	१०७ सहजोली ११२
९७ मृलयंत्रके गुण	800	१०८ अमरोकी ११४
९८ नालंघरमंघ	907	१०९ स्रीनकी वज्रोहीसाधन ११५
९९ जालंबरपदका अर्थ	908	११० झीनकी वज्रोलीके फल ११६
१०० जालंघरके गुण	202	१११ कुंडलीकरके मोसाद्वारकी
१०१ तानी वंधनका उपयोग	808	भेदन ११७
१०२ देहका जराकरण	209	११२ शक्तिचालन ११७
१०३ गुणसहित विपरीतकरणी	808	११६ कंदका स्थानस्थरूप १२०
१०४ फलसहित वज्रोली	200	११४ राजयोगविना आसनादिक
१०५ वजोडोंके अभ्यासमें उत्तरसा		व्यर्थ १२५
घन	240	११९ मुद्रोपदेष्टा गुरूकी स्त्राचा १२६
१०६ वज्रोडीके गुण	121	॥ इति तृतीयोपदेषाः ॥३॥
	-	र्थोपदेशः ॥
११६ मंगलाचरण	196	१३० मनके छयस्ं द्वैतकावी छय हे १९९
११७ समाधिक्रम	196	१३१ नादानुसंधानरूप मुख्योपाय १६१
११८ समाधियाचक	900	१३२ शांभवीमुद्राकरके नादानुसं-
११९ रानयोगकी स्त्राचा	989	घान ११३
१२० समाधिसिद्धीम् अमरोल्यादिक		१३६ पराङ्मुखी मुद्राकरके नादानुसं-
सिद्धि	633	धान १६६
१२१ हठाम्यासिवना ज्ञानमोक्षकी		१३४ नादकी च्यार अवस्था १६३
सिद्धी नहीं	१३३	१२९ आरंभावस्था १६६
१२२ प्राणमनकी स्थरीती	880	१६६ घटावस्था १६४
१२३ प्राणके लयम् कालका जय	880	१६७ परिचयावस्था १६५
१२४ लयका स्वरूप	\$85	
१२९ शांभवी मुद्रा		१३९ प्रत्याहारादि कमकरके
१२६ उन्मनी मुद्रा	890	समाधि १६८
१२७ उन्मनीविना और तिरवेकी		१४० नानाप्रकारके नाद १६९
उपाय नहीं	१९१	१४१ उन्मनी अवस्थामें योगीकी
१२८ उन्मनीभावनाक् कालनियम-		स्थिति १७७
का अभाव	१५२	
१२९ खेचरीमुद्रा	१५३	॥ इति चतुर्थोपदेशः ॥ ४ ॥